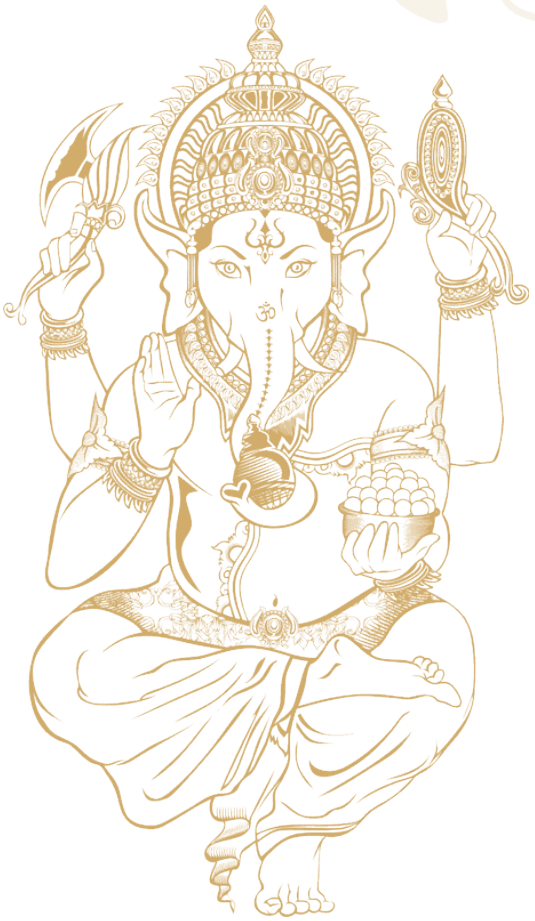

ZARA

04 Jun 2011

03:27 AM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121803102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**3-04/06/2011**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:27:00 घंटे**
इष्ट	53:35:36 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:48:20 घंटे
वेलान्तर	00:01:56 घंटे
साम्पातिक काल	19:36:21 घंटे
सूर्योदय	06:00:45 घंटे
सूर्यास्त	19:12:52 घंटे
दिनमान	13:12:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:57:47 वृष
लग्न के अंश	06:11:46 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घटी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	06:11:46	434:37:03	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			वृष	18:57:47	00:57:29	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	13:13:26	13:05:37	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
मंगल			मेष	23:31:34	00:43:56	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध		अ	वृष	08:09:53	02:02:32	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मेष	05:50:30	00:12:23	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	29:03:29	01:13:01	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
शनि	व		कन्या	16:29:41	00:00:56	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु			वृश्चि	29:23:20	00:00:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			वृष	29:23:20	00:00:32	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			मीन	10:01:28	00:01:41	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	06:54:22	00:00:01	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	12:46:41	00:01:22	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			धनु	28:17:02	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:16

लग्न-चलित

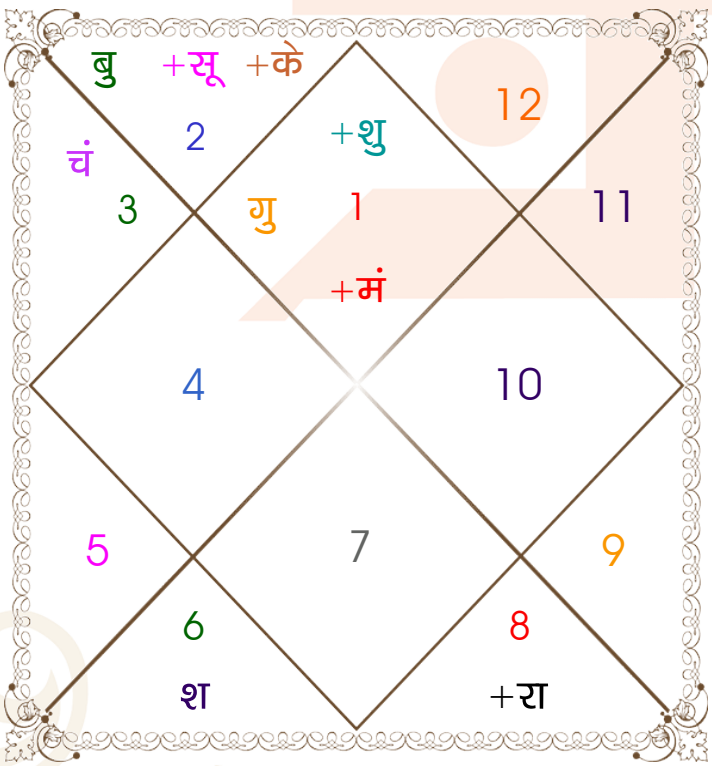

चन्द्र कुंडली

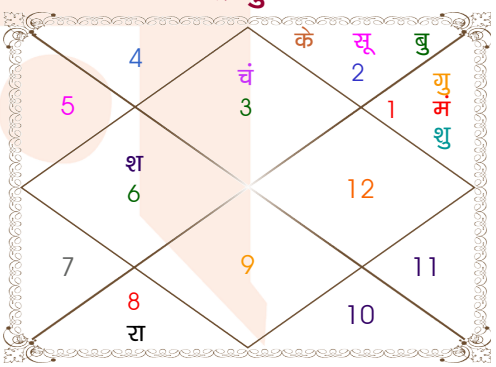

नवमांश कुंडली

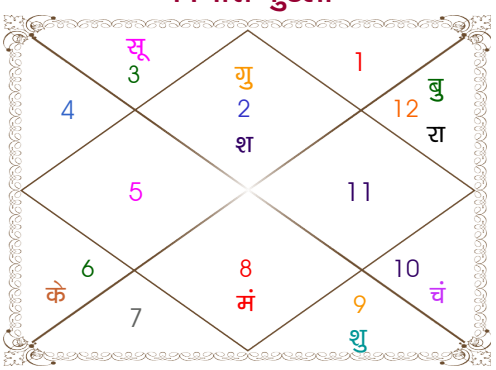

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 9 वर्ष 1 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/06/2011		27/07/2020		27/07/2036		28/07/2055		27/07/2072	
27/07/2020		27/07/2036		28/07/2055		27/07/2072		28/07/2079	
	00/00/0000	गुरु	14/09/2022	शनि	31/07/2039	बुध	23/12/2057	केतु	23/12/2072
	00/00/0000	शनि	27/03/2025	बुध	09/04/2042	केतु	20/12/2058	शुक्र	22/02/2074
	04/06/2011	बुध	03/07/2027	केतु	19/05/2043	शुक्र	20/10/2061	सूर्य	30/06/2074
बुध	25/01/2013	केतु	08/06/2028	शुक्र	18/07/2046	सूर्य	27/08/2062	चंद्र	29/01/2075
केतु	13/02/2014	शुक्र	07/02/2031	सूर्य	30/06/2047	चंद्र	26/01/2064	मंगल	27/06/2075
शुक्र	13/02/2017	सूर्य	26/11/2031	चंद्र	29/01/2049	मंगल	22/01/2065	राहु	15/07/2076
सूर्य	07/01/2018	चंद्र	27/03/2033	मंगल	09/03/2050	राहु	12/08/2067	गुरु	21/06/2077
चंद्र	09/07/2019	मंगल	03/03/2034	राहु	13/01/2053	गुरु	17/11/2069	शनि	30/07/2078
मंगल	27/07/2020	राहु	27/07/2036	गुरु	28/07/2055	शनि	27/07/2072	बुध	28/07/2079

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/07/2079		28/07/2099		28/07/2105		29/07/2115		28/07/2122	
28/07/2099		28/07/2105		29/07/2115		28/07/2122		00/00/0000	
शुक्र	26/11/2082	सूर्य	14/11/2099	चंद्र	28/05/2106	मंगल	25/12/2115	राहु	10/04/2125
सूर्य	26/11/2083	चंद्र	16/05/2100	मंगल	28/12/2106	राहु	11/01/2117	गुरु	03/09/2127
चंद्र	27/07/2085	मंगल	21/09/2100	राहु	27/06/2108	गुरु	18/12/2117	शनि	10/07/2130
मंगल	26/09/2086	राहु	15/08/2101	गुरु	27/10/2109	शनि	27/01/2119	बुध	05/06/2131
राहु	26/09/2089	गुरु	04/06/2102	शनि	29/05/2111	बुध	24/01/2120		00/00/0000
गुरु	27/05/2092	शनि	17/05/2103	बुध	27/10/2112	केतु	21/06/2120		00/00/0000
शनि	28/07/2095	बुध	22/03/2104	केतु	28/05/2113	शुक्र	21/08/2121		00/00/0000
बुध	27/05/2098	केतु	28/07/2104	शुक्र	27/01/2115	सूर्य	27/12/2121		00/00/0000
केतु	28/07/2099	शुक्र	28/07/2105	सूर्य	29/07/2115	चंद्र	28/07/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 9 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।